



**“वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पारिवारिक सम्बन्ध का उनके मूल्यों तथा
शैक्षणिक उपलब्धि के सन्दर्भ में अध्ययन।”**



Dr. Rekha Yadav

Research Scholar

Ph.D. in Education

सारांश

परिवार बालक की पहली पाठशाला है जहाँ उसे प्रेम, सहानुभूति तथा सुरक्षा मिलती है। वहीं उसका पालन-पोषण तथा विकास होता है। परिवार ही बालक की जीवन बगिया की सुन्दरता को बनाए रखता है। बालक का स्वभाव एक 'कोरी स्लेट' की तरह है जैसा उस पर लिखेंगे वैसा ही छप जाएगा अर्थात् बालक को जैसा ढाला जाएगा वह वैसा ही ढल जाएगा। यदि बालक सुयोग्य और चरित्रवान है तो हम कहते हैं कि वह बालक अच्छे पारिवारिक वातावरण में पला बड़ा हुआ है। इसलिए बालक के जीवन पर पड़ने वाले पारिवारिक सम्बन्धों के द्वारा मूल्यों तथा शैक्षणिक उपलब्धि के प्रभावों को जानने के लिए इसकी आवश्यकता महसूस की गई। इसलिए शोधकर्त्री ने इस विषय का चुनाव किया। शोध अध्ययन हेतु प्रतिदर्श के रूप में वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के 600 विद्यार्थियों का चुनाव किया गया। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु सह-सम्बन्ध सांख्यिकी प्रविधि का प्रयोग किया गया।